

राजाजी टाइगर रज़िर्व

चर्चा में क्यों

मुख्य वन्यजीव वार्डन के अनुसार, कॉरबेट टाइगर रज़िर्व से [राजाजी टाइगर रज़िर्व](#) में स्थानांतरित की गई एक बाघनि ने चार शावकों को जन्म दिया है।

मुख्य बंदि:

- यह बाघनि [कॉरबेट टाइगर रज़िर्व](#) से राजाजी टाइगर रज़िर्व में स्थानांतरित की गई तीन बाघनियों में से एक है।
- राजाजी राष्ट्रीय उद्यान [हमिचल प्रदेश](#) और [हरियाणा](#) सहित अन्य संभावित बाघ आवासों के लिये एक महत्त्वपूर्ण कड़ी है
- पश्चिमी राजाजी टाइगर रज़िर्व में [दिसंबर 2020](#), [जनवरी 2021](#), [मई 2023](#) में [चार बाघ](#), तीन मादा और एक नर का स्थानांतरण किया गया।

राजाजी टाइगर रज़िर्व

- **स्थान:** हरद्वार (उत्तराखंड), शिविलिकि पर्वतमाला की तलहटी में। यह [राजाजी राष्ट्रीय उद्यान का हिस्सा](#) है।
- **पृष्ठभूमि:** राजाजी राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना वर्ष 1983 में उत्तराखंड में तीन अभयारण्यों यानी राजाजी, मोतीचूर और चीला को मिलाकर की गई थी।
 - इसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सी. राजगोपालाचारी के नाम पर रखा गया था; जो लोकप्रिय रूप से "राजाजी" के नाम से जाने जाते हैं।
 - इसे वर्ष 2015 में देश का 48वाँ [बाघ अभयारण्य](#) घोषित किया गया था।
- **मुख्य विशेषताएँ:**
 - **वनस्पति:** चौड़ी पत्ती वाले पर्णपाती वन, नदी-वनस्पति, झाड़ियाँ, घास के मैदान और देवदार के वन इस पार्क में वनस्पतियों की शृंखला का निर्माण करते हैं।
 - साल (*Shorea robusta*) वशिष्ट प्रमुख वृक्ष प्रजाति है।
 - **जीव-जंतु:** यह रज़िर्व बाघ, हाथी, तेंदुआ, हिमालयी काला भालू, सलोथ भालू, सियार, लकड़बग्घा, स्पाँटेड डियर, सांभर, बार्कगि डियर, नीलगाय, बंदरों और पक्षियों की 300 से अधिक प्रजातियों सहित स्तनधारियों की 50 से अधिक प्रजातियों का निवास स्थान है।
 - **नदियाँ:** गंगा और सोन नदियाँ यहाँ से बहती हैं।